



लखनऊ के लोक भवन में आयोजित 665 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थियों से संवाद करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।



अमृत विचार

अभ्यर्थियों ने पारदर्शी चयन प्रक्रिया को सराहा

मुख्यमंत्री योगी के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर भावुक हुए अभ्यर्थी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी लखनऊ के लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने 665 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान चयनित अभ्यर्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मंच से एक-एक कर उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और चयन प्रक्रिया को पारदर्शिता व निष्पक्षता की सराहना की। अभ्यर्थियों ने कहा कि अब सरकारी भर्तियों में मेहनत और योग्यता को ही प्राथमिकता मिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जाति, धर्म और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर सभी को समान अवसर दिया जा रहा है। इस नियुक्ति प्रक्रिया ने युवाओं के बीच सिस्टम के प्रति विश्वास को मजबूत किया है। चयनित

पारदर्शी परीक्षा के कारण मुझे प्रथम रैंक हासिल करने का अवसर मिला। परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष रही। मुख्यमंत्री से मिलना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है।

- प्रियंका सिंह (मोहनलालगंज, लखनऊ)

दो चरणों में हुई परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी रही। इसमें वही सफल हुए जो वास्तव में योग्य थे। यह मेरे जीवन का गौरवपूर्ण क्षण है।

- संध्या सिंह (सुल्तानपुर)

परीक्षा केंद्रों पर इतनी कड़ी सुरक्षा थी कि किसी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना ही नहीं थी। यह सरकार की ईमानदारी और पारदर्शी व्यवस्था का उदाहरण है।

- अनामिका यादव (मैनपुरी)

पहले मेरे मन में उत्तर प्रदेश को लेकर गलत धारणा थी, लेकिन अब राज्य तेजी से विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बदलाव साफ दिखता है।

- शरिमा सिद्धीकी

नियुक्ति पत्र मिलना मेरे जीवन का सबसे गर्वपूर्ण क्षण है। पारदर्शी प्रक्रिया से योग्य उम्मीदवारों को ही अवसर मिला।

- आकांक्षा

अभ्यर्थियों की बातों से साफ झलकता है कि अब सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता और निष्पक्षता नई पहचान बन चुकी है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, उपमुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं शिक्षा अमित घोष, लोहिया संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह, केजीएमयू वाइस चांसलर डॉ. सोनिया नित्यानंद आदि उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

वाद करे नोएडा एयरपोर्ट नहीं बेचेंगे

अमृत विचार, लखनऊ: अखिलेश यादव की गौतमबुद्ध नगर के दादरी में आयोजित रेली से पश्चिमी उत्तर प्रदेश

की सियासत गरमा गई है। सपा प्रमुख ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को लेकर भाजपा सरकार पर

निशाना साधते हुए कहा कि इसका उद्घाटन 'बेचने के लिए' किया गया है और सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि एयरपोर्ट का निजीकरण नहीं होगा। उन्होंने किसानों को उनकी जमीन का बाजार भाव से मुआवजा न मिलने का आरोप लगाते हुए वादा किया कि सपा सरकार बनने पर विकास परियोजनाओं के लिए ली जाने वाली जमीन का उचित मुआवजा मिलता था, जबकि वर्तमान सरकार में उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है।

बसपा सरकार में पड़ी थी नोएडा एयरपोर्ट की नींव

अमृत विचार, लखनऊ: जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को

लेकर बसपा प्रमुख भाग्यवती का दावा है कि इस परियोजना की आधारशिला उनकी बसपा

सरकार के दौरान ही रखी गई थी। जरूरी बुनियादी कार्य बसपा सरकार के समय ही शुरू हो गए थे, लेकिन बाद में केंद्र की कांग्रेस सरकार के असहयोग से इसमें देरी हुई। बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर अपनी पोस्ट में आरोप लगाया कि उस समय उन्होंने वही कांग्रेस की सरकार ने इस परियोजना में बाधाएं डालीं। अगर, व्यवधान न खड़े किए गए होते तो यमुना एक्सप्रेसवे की तरह यह परियोजना भी उनकी सरकार में ही पूरी हो सकती थी।

संगठन के विस्तार में जुटी आरपीआई (ए)

अमृत विचार, लखनऊ: रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के केंद्रीय नेता रामदास अदावले के नेतृत्व और पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर प्रदेशभर से लोगों का पार्टी से जुड़ने का सिलसिला लगातार जारी है। रविवार को प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष पवन गुप्ता की अध्यक्षता में संगठन विस्तार को लेकर बैठक हुई। बैठक में कई पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। लखनऊ पार्टी कार्यालय में कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संगठन को ग्राम पंचायत, ब्लॉक और बूथ स्तर तक मजबूत किया जा रहा है। आने वाले समय में रैलियों और बैठकों के माध्यम से जनसमस्याओं को गहराई से समझा जाएगा।

कन्या सुमंगला योजना से नई उड़ान

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी कन्या सुमंगला योजना बेटियों के सशक्तिकरण का मजबूत आधार बनती जा रही है। इसी क्रम में अमैटी जिले की 23 छात्राओं को स्नातक स्तर पर प्रवेश के बाद योजना की अंतिम किशत जारी की गई, जिससे उनका उच्च शिक्षा के सपनों को नई मजबूती मिली है। योजना के तहत बेटियों को जन्म से लेकर स्नातक स्तर तक छह चरणों में आर्थिक सहायता दी जाती है। वर्ष 2024-25 में इस सहायता राशि को बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया गया है, जो सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाती है।

नए बजट की हर स्वीकृति पर रहेगी वित्त विभाग की नजर

विधानमंडल से स्वीकृत बजट 2026-27 लागू करने का शासनादेश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लागू करते हुए खर्च और वित्तीय स्वीकृतियों पर कड़ा नियंत्रण लागू कर दिया है। वित्त विभाग की ओर से जारी विस्तृत शासनादेश में साफ कहा गया है कि अब विधानसभा से पारित अनुदान और विनियोग को ही अंतिम बजट माना जाएगा और सभी विभाग उसी के अनुरूप खर्च करेंगे।

अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार ने स्पष्ट किया है कि नई योजनाओं, नई सेवाओं या अतिरिक्त व्यय से जुड़े किसी भी प्रस्ताव पर बिना वित्त विभाग की सहमति के स्वीकृति नहीं दी जाएगी। वहीं, पहले से चल रही योजनाओं में प्रशासनिक विभागों को सीमित अधिकार दिए गए हैं, लेकिन उन्हें भी तय नियमों का पालन करना होगा। शासनादेश में सामाजिक योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। वृद्धावस्था पेंशन, किसान पेंशन, निराश्रित महिलाओं और दिव्यांगजनों को मिलने वाली सहायता अब सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजी जाएगी। इसी तरह छात्रवृत्ति की धनराशि

पांच करोड़ के स्टाम्प घोटाले में उप-लेखाकार गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बदरगंज के दातागंज उप कोषागार में हुए 5.08 करोड़ के स्टाम्प शुल्क की हेराफेरी में उप-लेखाकार को ईओडब्ल्यू की टीम ने गिरफ्तार किया है। टीम ने आठ वर्ष से फरार चल रहे आरोपी राजेश सगर को बदरगंज के सिविल लाइन इलाके से दबोचा। स्टाम्प शुल्क घोटाले के समय वह दातागंज उपकोषागार में उप-लेखाकार के पद पर तैनात था। ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, दातागंज उप-कोषागार में स्टाम्प विक्री से प्राप्त करीब

5,08,98,110 रुपये की धनराशि

सरकारी कोष में जमा नहीं किया गया।

इन रुपये का बंदरबांट किया गया था। इस मामले में वर्ष 2019 में दातागंज थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। जिसकी विवेचना बाद में शासन के निर्देश पर ईओडब्ल्यू को सौंपी गई। ईओडब्ल्यू की

जांच में सामने आया कि तत्कालीन अधिकारी और कर्मचारियों ने मिलकर सुनियोजित तरीके से सरकारी धन का गनब किया। आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज है।

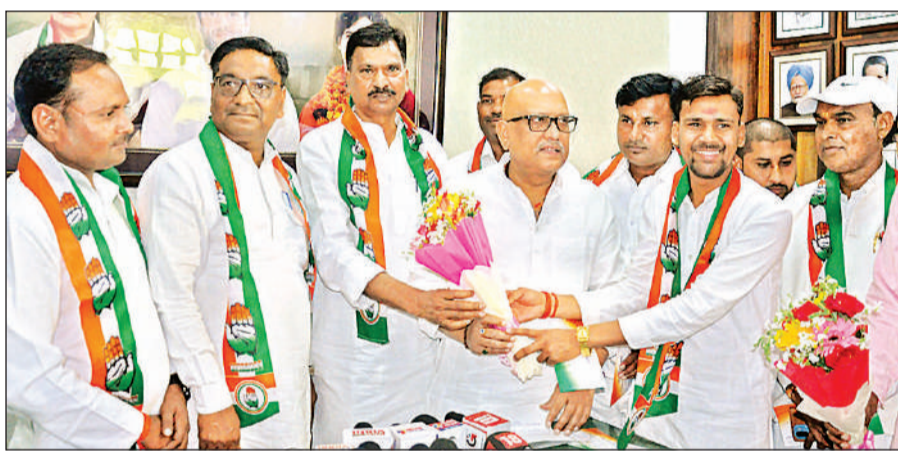


आरोपी राजेश सगर

दुग्ध उत्पादन से दो वर्ष में कमाए 67 लाख

अमृत विचार, लखनऊ: सोनभद्र

की विनीता ने दुग्ध उत्पादन को अपनाकर महज दो वर्षों में 67 लाख रुपये की कमाई की और आज 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान बना ली है। महिला सशक्तिकरण और आजीविका योजनाओं का लाभ उठाकर विनीता ने अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया। विनीता, जो पहले पति अविनाश के साथ 10-12 दुधारू पशुओं के जरिए काम करती थीं। निजी डेयरियों पर निर्भरता के कारण उन्हें समय पर भुगतान और उचित मूल्य नहीं मिल पाता था। हालात बदलने के लिए उन्होंने काशी मिलक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से जुड़ने का निर्णय लिया। यहां उन्हें न केवल उचित मूल्य मिला, बल्कि तकनीक और प्रशिक्षण का लाभ भी मिला।



लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में लोगों को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराते प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व सांसद राकेश राठी।

पूर्व सपा नेता अरुणेश यादव समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल अमृत विचार, लखनऊ: कांग्रेस की नीतियों और जन मुद्दों पर राहुल गांधी के संघर्ष से प्रेरित होकर सीतापुर के पूर्व सपा नेता अरुणेश यादव ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान परिवर्तन समाज पार्टी के राष्ट्रीय सचिव दुर्गा प्रसाद गुप्ता ने भी अपने साथियों के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी में कांग्रेस का दामन थाम लिया। माल एव-नू स्थित प्रदेश कार्यालय में रविवार को आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित होकर लगातार लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं, जिससे संगठन को मजबूती मिलेगी। सांसद राकेश राठी ने कहा कि अरुणेश यादव के अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा।

खुलासा

दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाकर स्क्राइब (श्रुत लेखक) के रूप में सॉल्वर बैटाने का मामला

दस वर्ष से चला रहे थे गिरोह, बैंक परीक्षा में भी किया था खेल

इंद्र भूषण दुबे, लखनऊ

अमृत विचार: प्रतियोगी परीक्षाओं में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाकर स्क्राइब (श्रुत लेखक) के रूप में सॉल्वर बैटाने वाले गिरोह की जांच कर रही एसटीएफ का मानना है कि उक्त गिरोह पिछले दस वर्षों से सक्रिय है। गिरोह ने इसी तर्ज पर बैंक पीओ की परीक्षा में भी खेल किया। करीब पांच दर्जन से अधिक युवक व युवतियों को नौकरी लगवा दी है। एसटीएफ ऐसे सभी अभ्यर्थियों के बारे में जानकारी जुटाकर संबंधित बैंक को सूची भेजने की तैयारी कर रही है। ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक, पुलिस जांच में ऐसे गिरोह का पर्दाफाश हुआ है, जो विकलांग प्रमाण पत्र बनवाकर व

एसटीएफ पुराने रिकॉर्ड खंगलने में जुटी, गिरोह के सदस्यों की तलाश में दबिश

पेशेवर स्क्राइब उपलब्ध कराकर अभ्यर्थियों को परीक्षाओं में पास कराने का काम करता था। इस गिरोह के जरिए बैंकिंग परीक्षाओं में चयन कराकर लाखों रुपये के दौरेन अभिषेक यादव ने खुलासा किया कि वह बीए स्नातक है और उसके परिचितों के माध्यम से फर्जी लो विजन (40 प्रतिशत दिव्यांगता) का प्रमाण पत्र बनवाया गया था। इस प्रमाण पत्र के आधार पर उसने विभिन्न परीक्षाओं में स्क्राइब की मदद ली। उसने बताया कि ईएमआरएस परीक्षा के टियर-1 और टियर-2 दोनों चरणों में फर्जी स्क्राइब के जरिए परीक्षा दी गई। जांच में

बैंक पीओ के लिए वसूले थे 30-30 लाख

एसटीएफ की पूछताछ जांच में सामने आया कि आरोपियों ने बैंक पीओ की परीक्षा पास कराने व नौकरी दिलाने के नाम पर गिरोह ने अभ्यर्थियों से 30-30 लाख रुपये वसूले थे। इसके बदले में बैंक ऑफ बड़ोदा व केनरा बैंक के पीओ पद पर अभ्यर्थियों का चयन कराया था। आकाश अग्रवाल, सौरभ सोनी और मनीष मिश्रा ने कुबूल किया था कि इन लोगों ने एक महिला अभ्यर्थी को बैंक ऑफ बड़ोदा में पीओ की नौकरी दिलाई। वह लखनऊ में ट्रेनिंग कर रही है। इसके अलावा एक महिला को केनरा बैंक में पीओ पद पर चयन कराया था। इसके बदले में दोनों ने 30-30 लाख रुपये दिये थे। इसी तरह करीब एक दर्जन से अधिक युवक व युवतियों की बैंक पीओ की नौकरी लगवाई है।

यह भी सामने आया कि गिरोह के सदस्य अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र जुटाकर उन पर हस्ताक्षर करते थे। मौके से विभिन्न परीक्षाओं के दर्जनों प्रवेश पत्र बरामद हुए, जिनकी प्रिंट कॉपी लेकर पुलिस ने कब्जे में लिया है। एसटीएफ के मुताबिक पूछताछ में आकाश अग्रवाल ने बताया कि वह पिछले करीब दस वर्ष से अपने

खेत बेचकर एक लाख में बनवाया प्रमाण पत्र

पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों में शामिल झांसी के भरोसा मॉट निवासी राजकिशोर ने नौकरी के लालच में आकाश, मनीष व सौरभ सोनी से संपर्क किया। तीनों ने नौकरी दिलाने का लालच दिया। उसे दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कहा। इसके लिए युवक ने खेत बेचकर एक लाख रुपये दिए। जिसके बदले में झांसी से दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाया था। इसके बाद स्क्राइब की मदद से परीक्षा दी थी। लेकिन परीक्षा के समय वह विकासनगर स्थित केंद्र से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से मिले दस्तावेजों और डिजिटल डाटा की जांच के लिए फॉरेंसिक लेब भेजा है। जल्द ही इसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मन की बात में पीएम ने की यूपी मॉडल की प्रशंसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में वाराणसी में हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का उल्लेख करते हुए देशवासियों से अधिक से अधिक पौधरोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत करते हैं। साथ ही मेरठ के सौर ऊर्जा मॉडल की विशेष सराहना की। इससे उत्तर प्रदेश की पर्यावरण और ऊर्जा क्षेत्र की पहलों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बन गई। वाराणसी में एक घंटे में 2.51 लाख से अधिक पौधे लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया, जिसे प्रधानमंत्री ने 'जनशक्ति और पर्यावरण चेतना का अद्भुत संगम' बताया। वहीं मेरठ के निवासी अरुण

वाराणसी में रिकॉर्ड पौधरोपण और मेरठ का सोलर मॉडल बना प्रेरणा

कुमार की सौर ऊर्जा पहल को भी सराहा गया। उन्होंने अपने घर पर सोलर पैनल लगाकर न सिर्फ आत्मनिर्भरता हासिल की, बल्कि अतिरिक्त बिजली ग्रिड को देकर आकाश को भी बनाया, जिससे वे 'ऊर्जादाता' के रूप में पहचान बना रहे हैं। मंत्री नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग उप्र. एके शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हरित विकास और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जो उत्तर प्रदेश को सतत और आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। प्रदेश में जनभागीदारी आधारित विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है।

